UNIVERSITY OF KOTA
KOTA

पाठ्यक्रम

SYLLABUS

SCHEME OF EXAMINATION AND COURSES OF STUDY

FACULTY OF ARTS AND SOCIAL SCIENCES

(SINDHI)

M.A. Previous Examination, 2020

M.A. Final Examination, 2021

कोटा विश्वविद्यालय, कोटा।

एम. ए. सिंधी पूर्वार्द्ध पाठ्यक्रम – 2019

प्रथम प्रश्न पत्र – प्राचीन कविता (सन् 1843 से पूर्व)

समय 3घंटे अधिकतम अंक 100

इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगे:

खण्ड अ – इस खण्ड में प्रत्येक इकाई में 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। कुल अंक – 10

खण्ड ब – इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने होगें। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स – इस खण्ड में प्रश्न संख्या 12 ससंदर्भ व्याख्या करना अनिवार्य है। शेष तीन वर्णनात्मक प्रश्नों में से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। प्रश्न सभी इकाईयों से दिए जाएगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पांच सौ शब्दों से अधिक न हो।

कुल अंक – 40

पाठ्यक्रम एवं अंकों का विभाजनः

इकाई (I)

शाह जो रसालो व सामीअ जा श्लोक में से दो – दो, कुल चार व्याख्याएं

इकाई (II)

शाह लतीफ का जीवन और काव्य शाह लतीफ के काव्य की विशेषताएं (कलात्मक) सूफी कवि शाह लतीफ।

इकाई (III)

शाह जो रसालो के पाठ्यक्रम में निर्धारित चार सुरों की विषय वस्तु से सम्बन्धित प्रश्न शाह लतीफ के नायक व नायिकाएं।

चार सुरः

(1) सुर कल्याण

(2) सुर सांमूडी

(3) सुर सुहिणी

(4) सुर सोरठ

इकाई (IV)

सामीअ जा श्लोक विषय वस्तु से सम्बन्धित प्रश्न (तात्पुरिज)

इकाई (V)

सामी का संत काव्य में स्थान सामी का जीवन दर्शन (फेलसूफी) सामी के काव्य की कलात्मक विशेषताएं।

संदर्भ पुस्तकें:-

1. डॉ. होतचन्द मूलचन्द गुरबक्षाणी - मुकदमें लतीफी
2. कल्याणी बी. आडवाणी - शाह
3. जेठमल गुलराजाणी - शाह जूं आखाणियूं
4. भेरूमल मेहरचन्द - लतीफी सैर
5. डॉ. मोतीलाल जोतवाणी - शाह अब्दुल लतीफ हिज़ लाइफ एण्ड वर्क
6. बी. एच. नागराणी - सामीअ जा चूंड श्लोक
7. कल्याण आडवाणी - सामी
8. प्रो. पोपटी हीरानन्दाणी - शाह सिन्धी तहज़ीब जो रूह
9. लेखराज अजीज - सामी
10. डॉ. मोतीलाल जोतवाणी - सूफीज़ ऑफ सिन्ध
11. प्रो. नारायणदास भम्भाणी - शाह जूं सूरमियूं
12. कीमत हरीसिघांणी - सामीअ जे शलोकनि जो जायज़ो
13. डा. एम. के. जेतली - शाह जो रसालो हिकु अभ्यास□
14. परसो गिदवाणी - शाह जो शइर
15. प्रो. लक्ष्मण हर्दवाणी - सामीअ जा श्लोक

द्वितीय प्रश्न पत्र – सिंधी गद्य एवं नाटक

समय 3घंटे अधिकतम अंक 100

इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगे:

खण्ड अ – इस खण्ड में प्रत्येक इकाई में 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। कुल अंक – 10

खण्ड ब – इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने होगें। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 भाब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स – इस खण्ड में प्रश्न संख्या 12 ससंदर्भ व्याख्या करना अनिवार्य है। शेष तीन वर्णनात्मक प्रश्नों में से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। प्रश्न सभी इकाईयों से दिए जाएगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पांच सौ शब्दों से अधिक न हो।

कुल अंक – 40

पाठ्यक्रम एवं अंकों का विभाजनः

इकाई (I)

प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से 5 अंक की व्याख्या अतः कुल 4व्याख्याएं।

इकाई (II)

नाविल – ''**सैलाब जिन्दगीय जो**'' – प्रो. पोपटी हीरानन्दानी

कूंज पब्लिकेशन, शहीद भगतसिंह मार्ग, मुम्बई – 23।

इकाई (III)

मज़मून – ''**चून्ड सिंधी मज़मून**''

संग्रहकर्ता – कीरत बाबाणी साहित्य अकादमी, दिल्ली।

इकाई (IV)

कहाणी – ''**सुञाणप जो संकट**'' – डॉ. मोतीलाल जोतवाणी

स□पर्क प्रकाशन, बी–24, दयानन्द कॉलोनी, लाजपतनगर, लई दिल्ली।

इकाई (V)

नाटक – ''**काको कल्लूमल**'' – मदन जुमाणी

बी 203/4, चिंतामणी, शंकर लेन, कान्दीवली (मुम्बई 67)

तृतीय प्रश्न पत्र – सिंधी साहित्य का इतिहास (प्रारम्भ से अब तक)

समय 3घंटे अधिकतम अंक 100

इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगेः

खण्ड अ – इस खण्ड में प्रत्येक इकाई में 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। कुल अंक – 10

खण्ड ब – इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने होगें। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 भाब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स – इस खण्ड में 4 प्रश्न वर्णनात्मक होगें। प्रश्न में भाग भी हो सकते है। जो इकाईयों में से दिये जायेगें किन्तु प्रत्येक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा 2 प्रश्नें के उत्तर दिये जाने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में हो।

कुल अंक – 40

पाठ्यक्रम एवं अंकों का विभाजनः

इकाई (I)

(1) सिंधी साहित्य जो अवाइली दौर (8 ई. सदीअ खां 1500 ई. ताई)

(2) इश्क ऐं सूर्याहीअ जे किस्सनि जो दौर

इकाई (II)

(1) भक्ति काव्य जी धारा (1500 ई. सदीअ खां 1853 ई. ताई)

(2) नये दौर में सिंधी शइर जो विकास

इकाई (III)

(1) सिंधी साहित्य जो नओं दौर

(2) सिंधी नसुर जी शुरूआत

(3) सिंधी नसुर जो दौर

इकाई (IV)

(1) सिंधी कहाणीअ जो विकास

(2) सिंधी नाटक जो विकास

इकाई (V)

(1) सिंधी उपन्यास जो विकास

(2) सिंधी मज़मून ऐं आलोचना जो विकास

संदर्भ पुस्तकें:-

1. सिंधी साहित्य जो इतिहास – डॉ. एम. के. जैतली
2. सिंधी नसुर जी तारीख – मंघाराम मल्काणी
3. विरहाड़े खॉ पोइ सिंधी साहित्य
   जो मुख्तिसर जायज़ो – मंघाराम मल्काणी
4. सिंधी अदब जी रूपरेखा – प्रो. जगदीश लछाणी
5. सिंधी साहित्य का इतिहास – प्रो. एल. एच. अजवाणी
6. सिंधी साहित्य जो इतिहास – प्रो. एल. एच. अजवाणी
   (तर्जुमान – प्रो. हीरो शेवकाणी)
7. हिस्ट्री ऑफ सिंधी लिटरेचर – प्रो. पोपटी हीरानन्दाणी
8. सिंधी भाषा, लिपि और साहित्य – डॉ. मोतीलाल जोतवाणी
9. भारतीय सामायिक संस्कृति
   और सिंधी साहित्य – डॉ. मोतीलाल जोतवाणी
10. सिंधी शइर जी तवारीख – डॉ. दयाल आशा
11. सिंधी शइर जो इतिहास – लीलो रूचन्दाणी
12. आज़ादीअ बइद सिंधी साहित्य
    जो इतिहास – लीलो रूचन्दाणी
    (गुजरात सिंधी अकादमी गांधीनगर, गुजरात।)

चतुर्थ प्रश्न पत्र – भारतीय और पाश्चात्य साहित्य आलोचना के सिद्धान्त

समय 3घंटे अधिकतम अंक 100

इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगे:

खण्ड अ – इस खण्ड में प्रत्येक इकाई में 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। कुल अंक – 10

खण्ड ब – इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने होगें। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 भाब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स – इस खण्ड में 4 प्रश्न वर्णनात्मक होगें। प्रश्न में भाग भी हो सकते है। जो इकाईयों में से दिये जायेगें किन्तु प्रत्येक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा 2 प्रश्नें के उत्तर दिये जाने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में हो।

कुल अंक – 40

पाठ्यक्रम एवं अंकों का विभाजनः

इकाई (I)

भारतीय साहित्यक सिद्धान्तों का अध्ययनः-

(1) नाट्य शास्त्र

(2) अलंकार शास्त्र

(3) रस सिद्धान्त

(4) काव्य के सम्प्रदाय

(5) छंद

इकाई (II)

सिंधी साहित्य की विधाओं का सैद्धान्तिक अध्ययनः-

(1) कहाणी

(2) नई कहाणी

(3) नाटक

(4) रेडियो नाटक

(5) उपन्यास

इकाई (III)

(1) रिपोतार्ज

(2) निबन्ध

(3) आलोचना के सिद्धान्त

(4) आलोचना के गुण

इकाई (IV)

पाश्चात्य आलोचना के सिद्धान्तों का अध्ययन:-

(1) अरस्तु का त्रासदी सिद्धान्त और अनुकरण

(2) कालरिज का कल्पना सिद्धान्त

(3) टी. एस. इलियट का स बद्धता का सिद्धान्त

इकाई (V)

(1) साहित्यक आलोचना के प्रकार

(2) रोमानवाद

(3) नाटक के सिद्धान्त

संदर्भ पुस्तकें:-

1. सिंधी साहित्य जो इतिहास – डॉ. एम. के. जैतली
2. साहित्य जा सिद्धांत – आनन्द खेमाणी
3. अदबी आलाप – दीपचन्द्र बेलाणी
4. पंज गंज – झमटमल भावनाणी
5. उसूल ऐं आलोचना –जगदीश लच्छाणी
6. तनकीदी मज़मून – ए. जे. उत्तम
7. अलंकार ऐं छन्द – डॉ. मोतीलाल जोतवाणी
8. अदबी उसूल – एम. यू. मल्काणी
9. भारतीय काव्य शास्त्र (दो भाग) – बलदेव उपाध्याय
10. भारतीय काव्य शास्त्र – सत्यदेव चौधरी
11. पाश्चात्य साहित्यलोचना के सिद्धांत – लीलाधर गुप्ता
12. रस सिद्धांत – डॉ. नगेन्द्र
13. सतसार – परम अबीचन्दाणी
14. साहित्यक परख – जगदीश लच्छाणी

एम. ए. सिंधी उत्तरार्द्ध पाठ्यक्रम – 2020
पंचम प्रश्न पत्र – 1843 की परवर्ती सिंधी कविता

समय 3घंटे अधिकतम अंक 100

इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगेः

खण्ड अ – इस खण्ड में प्रत्येक इकाई में 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। कुल अंक – 10

खण्ड ब – इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने होगें। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 भाब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स – इस खण्ड में प्रश्न संख्या 12 ससंदर्भ व्याख्या करना अनिवार्य है। शेष तीन वर्णनात्मक प्रश्नों में से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। प्रश्न सभी इकाईयों से दिए जाएगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पांच सौ शब्दों से अधिक न हो।

कुल अंक – 40

पाठ्यक्रम एवं अंकों का विभाजनः

इकाई (I)

प्रत्येक पाठ्यपुस्तक में से 5 अंक की व्याख्या अतः कुल 4 व्याख्याएं

इकाई (II)

''**शइर बेवसि**'' स पादक हूंदराज दुखायल बेवसि वाणी मंदिर, आदिपुर।

इकाई (III)

''**वारीअ भरियो पलांद**'' नारायण श्याम

इकाई (IV)

''**सुर्ख गुलाब सुरहा वाब**'' प्रभु वफा

इकाई (V)

''**शीशे जा घर**'' गोर्वधन भारती

षष्ठम प्रश्न पत्र – भाषा विज्ञान के सामान्य सिद्धांत और सिंधी भाषा का इतिहास

समय 3घंटे अधिकतम अंक 100

इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगेः

खण्ड अ – इस खण्ड में प्रत्येक इकाई में 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। कुल अंक – 10

खण्ड ब – इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने होगें। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 भाब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स – इस खण्ड में प्रन संख्या 12 ससंदर्भ व्याख्या करना अनिवार्य है। शेष तीन वर्णनात्मक प्रश्नों में से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। प्रश्न सभी इकाईयों से दिए जाएगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पांच सौ शब्दों से अधिक न हो।

कुल अंक – 40

पाठ्यक्रम एवं अंकों का विभाजनः

इकाई (I)

भाषा और भाषा विज्ञान की परिभाषा तथा प्रकार, महत्व, भाषा के जन्म के सिद्धांत, भाषा विज्ञान की

अध्ययन पद्धतियां

इकाई (II)

भाषा विज्ञान के अंग (ध्वनि विज्ञान, शब्द विज्ञान, अर्थ विज्ञान, वाक्य विज्ञान, रूप विज्ञान)

इकाई (III)

सिंधी भाषा की उत्पति और विकास, स्वर – व्यंजन। (हर्फ सही – हर्फ इलत)

इकाई (IV)

सिंधी की उपभाषाएं, सिंधी भाषा की लिपियां।

इकाई (V)

सिंधी भाषा पर अन्य भाषाओं का प्रभाव । सिंधी मुहावरों व कहावतो का भाषा वैज्ञानिक अभ्यास।

पाठ्य पुस्तकें:

1. भाषा शास्त्र – पोपटी हीरानन्दाणी
2. सिंधी बोलीअ जी तारीख – भेरूमल महरचन्द
3. सिंधी बोली – लीलाराम रूचंदाणी

संदर्भ पुस्तकें:

1. भाषा विज्ञान (हिन्दी) – भोलानाथ तिवारी
2. सिंधी बोली – पोपटी हीरानन्दाणी
3. सवलो सिंधी व्याकरण भाडो 1-2 – सतरामदास साइल
4. ग्रामर ऑफ सिंधी लैंगवेज़ – ट्रम्प
5. लिंगिविस्टक सर्वे ऑफ इंडिया – वाल्यूम (V)(गियर्सन)
6. तहकीक लुग़त सिंधी – अब्दुल करीम संदेलो
7. सिंधी सूरतखती – जी. ए. अलाना
8. सिंधी सूतयात – जी. ए. अलाना
9. सिंधु जी लासानी जाग्राफी – जी. ए. अलाना
10. सिंधी पहाका ऐं मुहावरा हिकु अभ्यास- डा. एम. के. जैतली

सप्तम प्रश्न पत्र – विशिष्ट साहित्यकार

(नोटः- अ, ब में से कोई एक)

सप्तम 'अ' विशिष्ट साहित्यकार (सामी)

समय 3घंटे अधिकतम अंक 100

इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगेः

खण्ड अ – इस खण्ड में प्रत्येक इकाई में 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। कुल अंक – 10

खण्ड ब – इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने होगें। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स – इस खण्ड में प्रन संख्या 12 ससंदर्भ व्याख्या करना अनिवार्य है। शेष तीन वर्णनात्मक प्रश्नों में से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। प्रश्न सभी इकाईयों से दिए जाएगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पांच सौ शब्दों से अधिक न हो।

कुल अंक – 40

पाठ्यक्रम एवं अंकों का विभाजनः

इकाई (I)

सामी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

इकाई (II)

सामी के श्लोकों में वेदान्त व अन्य विचार

इकाई (III)

सामी के श्लोको का कला पक्ष (रस, छंद, अलंकार)

इकाई (IV)

सामी के श्लोको की भाषा एवं भाषा वैज्ञानिक समीक्षा

इकाई (V)

सामी के श्लोको के विभिन्न प्रकाशन, संत काव्य परम्परा एवं सामी

पाठ्य पुस्तकें:-

1. सामीअ जा चूंड श्लोक - भोजराज नागराणी
2. सामीअ जे सिलोकनि जो जाइज़ो - कीमत हरीसिंघाणी

संदर्भ पुस्तकें:-

1. सामी - मोहनलाल शर्मा
2. सामीअ जा चूंड सिलोक - कल्याण आडवाणी
3. शाह सचल सामी - ए. जे. उत्तम

सप्तम प्रश्न पत्र – विशिष्ट साहित्यकार

(नोटः– अ, ब में से कोई एक)

सप्तम 'ब' विशिष्ट साहित्यकार (किशनचन्द बेवसि)

समय 3घंटे अधिकतम अंक 100

इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगेः

खण्ड अ – इस खण्ड में प्रत्येक इकाई में 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। कुल अंक – 10

खण्ड ब – इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने होगें। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 भाब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स – इस खण्ड में प्रन संख्या 12 ससंदर्भ व्याख्या करना अनिवार्य है। शेष तीन वर्णनात्मक प्रश्नों में से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। प्रश्न सभी इकाईयों से दिए जाएगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पांच सौ शब्दों से अधिक न हो।

कुल अंक – 40

पाठ्यक्रम एवं अंकों का विभाजनः

इकाई (I)

(1) बेवसि जी शख्सियत

(2) गूनागून बेवसि

इकाई (II)

(1) बेवसि ऐं बाल कविताऊं

(2) बेवसि ऐं नारी

इकाई (III)

(1) बेवसि ऐं धर्म

(2) बेवसि ऐं कुदिरत

इकाई (IV)

(1) बेवसि जी फेलसूफी

(2) सामून्डी सिपूं

(3) बेवसि ऐं समाजवाद

इकाई (V)

(1) बेवसि जी बोली

(2) बेवसि जा नाटक

(3) भागिया स्कीम

पाठ्य पुस्तकें:-

1. सडु पड़ादो सागियो - श्री हूंदराज दुखायल

अष्टम प्रश्न पत्र – अन्य भाषाओं के उत्कृष्ट साहित्य का अ□यास

समय 3घंटे अधिकतम अंक 100

इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगे:

खण्ड अ – इस खण्ड में प्रत्येक इकाई में 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। कुल अंक – 10

खण्ड ब – इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने होगें। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 भाब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स – इस खण्ड में प्रन संख्या 12 ससंदर्भ व्याख्या करना अनिवार्य है। शेष तीन वर्णनात्मक प्रश्नों में से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। प्रश्न सभी इकाईयों से दिए जाएगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पांच सौ शब्दों से अधिक न हो।

कुल अंक – 40

पाठ्यक्रम एवं अंकों का विभाजनः

इकाई (I)

''**गुनाहनि भरियो देवता**'' (उपन्यास) – धर्मवीर भारती अनुवादक जगत आडवाणी, अजन्ता पब्लिकेशन, 14 तिलोक नगर, अजमेर।

इकाई (II)

''**कबीर वचनावली**'' (जीवनी पृष्ठ सं. 59 तक) – श्याम सुन्दर दास, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।

इकाई (III)

''**सागर जी सन्तान**'' (उपन्यास) – त□शी शिव शंकर पलई, अनुवादक – सुन्दरी उत्तमचन्दानी

इकाई (IV)

''**गुजराती एकांकी**'' अनुवादक – प्रेम प्रकाश, गुजरात सिंधी अकादमी

इकाई (V)

''**हेमलेट**'' (नाटक) – शे€सपीयर – अनुवादक – तीर्थ बसन्त, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।

नवम् प्रश्न पत्र – सिंधी साहित्य की विधा का आलोचनात्मक अध्ययन

(नोटः– अ, ब में से कोई एक)

नवम् 'अ' सिंधी कविता प्रारम्भिक काल से अब तक

समय 3घंटे अधिकतम अंक 100

इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगेः

खण्ड अ – इस खण्ड में प्रत्येक इकाई में 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। कुल अंक – 10

खण्ड ब – इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने होगें। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 भाब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स – इस खण्ड में प्रन संख्या 12 ससंदर्भ व्याख्या करना अनिवार्य है। शेष तीन वर्णनात्मक प्रश्नों में से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। प्रश्न सभी इकाईयों से दिए जाएगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पांच सौ शब्दों से अधिक न हो।

कुल अंक – 40

पाठ्यक्रम एवं अंकों का विभाजनः

इकाई (I)

(1) शाइर व शाइरी
(2) कदीम सिंधी शइर जो जाइ़जो
(3) काजी कादन
(4) शाह अब्दुल करीम बुलिड़िअ वारो
(5) शाह अब्दुल लतीफ

इकाई (II)

(1) रोहल फकीर
(2) सचल सरमस्त
(3) सामी साहब
(4) कवि दलपत
(5) मिर्जा कलीच बेग

इकाई (III)

(1) किशनचन्द बेवसि

(2) प्रो. लेखराज अजीज

(3) कवि हून्दराज दुखायल

(4) परसराम जिया

(5) प्रो. राम पंजवाणी

इकाई (IV)

(1) हरूमल सदारंगाणी
(2) प्रभु वफा
(3) हरी दिलगीर
(4) नारायण श्याम
(5) गोर्वधन भारती

इकाई (V)

(1) कृष्ण राही
(2) अर्जुन हासिद
(3) एम. कमल
(4) वासदेव मोही
(5) रीटा शाहाणी

प्रस्तावित पुस्तकें:-

1. सिंधी शइर जी तारीख - डॉ. दयाल आशा
2. सिंधी शइर जो इतिहास - लीलो रूचन्दाणी

नवम् प्रश्न पत्र – सिंधी साहित्य की विधा का आलोचनात्मक अध्ययन

(नोटः– अ, ब में से कोई एक)

नवम् 'ब' सिंधी उपन्यास का विकास

समय 3घंटे अधिकतम अंक 100

इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगेः

खण्ड अ – इस खण्ड में प्रत्येक इकाई में 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। कुल अंक – 10

खण्ड ब – इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने होगें। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 भाब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स – इस खण्ड में प्रश्न संख्या 12 ससंदर्भ व्याख्या करना अनिवार्य है। शेष तीन वर्णनात्मक प्रश्नों में से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। प्रश्न सभी इकाईयों से दिए जाएगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पांच सौ शब्दों से अधिक न हो।

कुल अंक – 40

पाठ्यक्रम एवं अंकों का विभाजनः

1. सिंधी उपन्यास का विकास (विभाजन पूर्व) निम्नलिखित उपन्यासकारों के उपन्यासों की साहित्यक

आलोचना :–

इकाई (I)

(1) मिर्ज़ा कलीच बेग

(2) डॉ. होतचन्द गुरबक्षाणी

(3) प्रो. नारायण दास भ भाणी

इकाई (II)

(1) प्रो. राम पंजवाणी

(2) लालचन्द अमरडिनोमल

(3) आसानन्द मामतोरा

2. सिंधी उपन्यास का विकास (विभाजनोपरान्त)

इकाई (III)

(1) गोबिन्द माल्ही

(2) मोहन कल्पना

(3) कृष्ण खटवाणी

इकाई (IV)

(1) हरी मोटवाणी

(2) लाल पुष्प

(3) हरी हिमथाणी

इकाई (V)

(1) सुन्दरी उत्तमचन्दाणी

(2) पोपटी हीरानन्दाणी

(3) तारा मीरचन्दाणी

(4) कला प्रकाश

प्रस्तावित पुस्तकें:-

1. सिंधी नसुर जी तारीख - एम. यू. मल्काणी
2. विरहाडे. खां पोइ सिंधी साहित्य
   जो मुख्तिसरख्जाय़जो - एम. यू. मल्काणी
3. सिंधी नाविल जी इरतकाई तारीख - डा. गुलाम हुसैन पठाण
4. सिंधी नाविल जी इरतका - डा. चन्दूलाल जयसिंघानी